



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 50-2024] CHANDIGARH, TUESDAY, DECEMBER 10, 2024 (AGRAHAYANA 19, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 2 दिसम्बर, 2024

संख्या 12/250-बागावाली कोठी-2024/पुरा/4143-49.— हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, अधिसूचना संख्या 12/250-बागावाली कोठी-2024/पुरा/2590-2598, दिनांक 19 जुलाई, 2024 के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में यथा विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं:—

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/ शहर का नाम	तहसील/ जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/ किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल-मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
बागावाली कोठी, दुजाना 20वीं शताब्दी पूर्व	बागावाली कोठी, दुजाना 20वीं शताब्दी पूर्व	दुजाना	झज्जर	182	6-11	ग्राम पंचायत	दुजाना दिल्ली से लगभग 37 मील पश्चिम दिशा में स्थित है। इस स्थान का नाम दुर्जन भाह नामक एक तपस्वी के नाम पर रखा गया है, जिसने गांव के वर्तमान स्थल पर एक झोपड़ी बनाई थी, जो उस समय वन था। बाद में, मोहम्मद खान उर्फ मलिक जुट्टा दुर्जन शाह की अनुमति से इस स्थान पर बस गया और जैसे-जैसे उसने वन को साफ किया और खेती बाड़ी की, अन्य निवासियों के पहुंचने से यहां की जनसंख्या में वृद्धि हुई। विशाल विश्राम-गृह स्थल परिसर, जिसे बागावाली कोठी के नाम से जाना जाता है, जिसका निर्माण

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव / शहर का नाम	तहसील / जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा / किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल—मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
							वर्ष 1920 के आस-पास हुआ, और झज्जर शहर से कुछ मील की दूरी पर स्थित है। यह कोठी (महल) दुजाना के तत्कालीन नवाब से संबंधित थी।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 2nd December, 2024

No. 12/250-Bagha Wali Kothi-2024/pura/4143-49.— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to Haryana Government, Heritage and Tourism Department, notification No. 12/250-bagha Wali Kothi-2024/pura/2590-2598, dated the 19 July, 2024, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monuments specified in column 1 of Schedule given below to be a protected monument and archaeological site and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area:-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of Tehsil / District.	Revenue Khasra/ Kila number under protection.	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Bagha Wali Kothi at Dujana 20th Century CE,	Bagha Wali Kothi at Dujana 20th Century CE,	Dujana	Jhajjar	182	6-11	Gram Panchayat	Dujana lies appx. 37 miles west of Delhi. The place is named after Durjan Shah, an ascetic who built a hut, on the present site of the village which was at that time a jungle. Later, one Mohammed Khan alias Malik Jutta settled at this place with the permission of Durjan Shah and as he reclaimed and cultivated the jungle, the population rose with influx of other settlers. The sprawling guest-house complex, better known as Bagh wali kothi was constructed around 1920 and is located a couple of miles from the Jhajjar town. The Kothi (Palace) belonged to the erstwhile Nawab of Dujana.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government Haryana,
Heritage and Tourism Department.